विभाजन एक विभीषिका

आलेख : डॉ. प्रकाश झा

दृश्य : आयोजन चलि रहल अछि...

गीत : (आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ, के तर्ज पर)
आब' बौआ तोरा देखाबू, झाँकी हिंदुस्तान के...
एहि माटि स' ठोप क'र' तों, ई धरती छै बलिदान के...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...
आब' बौआ तोरा देखाबू, झाँकी हिंदुस्तान के...
एहि माटि स' ठोप क'र' तों, ई धरती छै बलिदान के...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...

बच्चा : दादा जी... दादा जी अहां सुनलियै... ई सब कतेक नीक गाबि रहल छथि।

दादा जी : वंदे मातरम... वंदे मातरम... शब्द तहन छैक, जकरा बेर बेर सुनबाक मोन करैत छैक।

बच्चा : दादा जी ... ई लोक सब आइ ई गीत किएक गाबि रहल छै ?

दादा जी : ई लोक 14 आ 15 अगस्त के आयोजन लेल तैयारी क' रहल छैक।

बच्चा : दादा जी 15 अगस्त त' हम जनैत छी जे स्वतंत्रता दिवस होई छै मुदा ई 14 अगस्त के लेल किएक दादा जी ?

दादा जी : 14 अगस्त क' अपन देश विभाजित भेल छल, तैं हम सब एकरा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप मे मनाबैत छियैक।

बच्चा : ई 'विभाजनक विभीषिका' की छै दादा जी ?

दादा जी : विभाजन के मतलब नहि बुझैय छही ? जखन विभाजने के मतलब नहि बूझै छही त' विभीषिका के मतलब कोना बुझबही ?

अरे बच्चा... ई देश अपन पहिले बहुत पैघ छल। मुदा, बाद मे एकर विभाजन भ' गेले।

बच्चा : मतलब बाँटि देल गेलै ?

दादा जी : हँ... बाँटि देल गेल, मुदा बँटनाइ आ विभाजन मे अंतर होइ छै... मानि लैह जे तोरा लग दस टा टॉफी छ:। ओकरा तोरा अपना दुनू गोटे मे बँटबाक छह त' कोना बँटबहक ? पाँच –पाँच टा लेबहक ने... आब ई सोच' जे तोरा लग मात्र एकटा टॉफी छ: ... त' की करबहक ?

बच्चा : हम ओकरा तोड़ि क' दू भाग मे बाँटबै।

दादा जी : बौआ... तोड़नाइ... ओकरा खण्डित खण्डित क' देनाई... यैह विभाजन होइ छै। आ एहि स' जे पीड़ा उपजै छै... जे तकलीफ होइ छै... वैह विभीषिका होइ छै।

बच्चा : दादा जी... ई विभाजन त' बुझि गेलहु मुदा ई विभीषिका... विभाजन ... विभीषिका...

दादा जी : चल' बताबै छिय'...

गीत : आब' बौआ तोरा देखाबू, झाँकी हिंदुस्तान के...

एहि माटि स' ठोप क'र' तों, ई धरती छै बलिदान के...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...
आब' बौआ तोरा देखाबू, झाँकी हिंदुस्तान के...
एहि माटि स' ठोप क'र' तों, ई धरती छै बलिदान के...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...

बच्चा : दादा जी... हमरा नीक जेना बताबू' ने... जे ई विभाजन कोना भेलै।

दादा जी : कहैत छियह... कहैत छियह... विभाजन के बारे मे... अपन देशक विभाजन के बारे मे बताबैत छियह... ध्यान स' सुनह... विभाजन के बारे मे इतिहासकारक जे दृष्टिकोण छै, ओकरा गौर स' सुनह... ध्यान द' क' सुनह आ ओकरा समझबाक कोशिश करह...। अपना देश के धर्म के नाम पर दू हिस्सा मे बाँटि देल गेल। लाखो लोक ओहि पार स' एहि पार भाग' लागल। चारू दिस भगदड़ मचि गेल। लाखो लोक बेघर भ' गेलै...

गाना : छै प्रीत जत' के रीत हरदम
छै प्रीत जत' के रीत हरदम
हम गीत ओतै के गबैत छी...
भारत के रहै वाला छी
भारत के बात सुनाबै छे...
छै प्रीत जत' के रीत हरदम

सूत्रधार एक : अखण्ड भारतक विभाजन अभूतपूर्व मानव विस्थापन आ मजबूरी मे पलायनक एकटा दर्दनाक स्याह इतिहास छै।

सूत्रधार दू : ई एकटा एहन घटना अछि, जाहि मे लाखो लोक अनजान लोकक बीच एकदम विपरित वातावरण मे रहबाक लेल नब ठेकान ताकि रहल छल।

सूत्रधार एक : विश्वास आ धार्मिक आधार पर एकटा हिंसक विभाजनक घटना होबाक अतिरिक्त ई एहि बातक सेहो सत्य कथा छैक...

सूत्रधार दू : जे कोना एकटा जीवन शैली आ वर्षो पुरान सह – अस्तित्वक युग अचानक आ नाटकीय रूप स' समाप्त भ' गेल।

सूत्रधार एक : लगभग 60 लाख गैर – मुसलमान ओहि क्षेत्र स' निकलि अयलाह, जे बाद मे पश्चिमी पाकिस्तान बनल।

सूत्रधार दू : 65 लाख मुसलमान पंजाब, दिल्ली आदि भारतीय हिस्सा स' पश्चिमी पाकिस्तान चलि गेलाह।

सूत्रधार एक : 20 लाख गैर – मुसलमान पूर्वी बंगाल, जे बाद मे पूर्वी पाकिस्तान बनल, स' निकलि क' पश्चिम बंगाल आबि गेलाह।

सूत्रधार दू : 1950 मे 20 लाख स' बेसी गैर – मुसलमान पश्चिम बंगाल आबि गेलाह।

सूत्रधार एक : दस लाख मुसलमान पश्चिम बंगाल स' पूर्वी पाकिस्तान चलि गेलाह।

सूत्रधार दू : एहि विभीषिका मे मरल लोकक आँकड़ा 5 लाख के आसपास बताओल जाइत अछि।

सूत्रधार एक : मुदा अनुमानत: ई आँकड़ा पाँच स' 10 लाख के बीच भ' सकैत अछि।

सूत्रधार दू : कहल जाइत छैक जे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संभवत: सबस' बेसी हत्या एहि विभाजन के फलस्वरूप धर्म के नाम पर भेल छल।

सूत्रधार एक : सालो पुरान सामाजिक ताना – बाना आ विश्वासक संबंध टूटि गेल।

गीत : आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।
आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।

बच्चा : दादा जी... हिनका सबहक घर छीन लेल गेल। ई सब सुनि क' हमरा डर लागि रहल अछि।

दादा जी : ई त' डरबाक बात छैके बौआ... सोचहक जे लोक ओहि समय रहल हेताह हुनका पर की बीतल होयत...

बच्चा : बाबा यौ... ओहि समय त' हमरा एहन कतेको बच्चा सेहो हेतैक... ओकर सबहक की हाल भेल हेतैक यौ ?

दादा जी : हाँ... लाखो बच्चा ओहन स्थिति के देखने छैलक, जकरा दिमाग स' ओ क्षण कहियो नहि निकलल... ओ सभ ओहि दृश्य के याद क' क' आइयो सहमि जाइत अछि... बौआ...

बच्चा : हमरा आरो बताबू ने दादा जी... की सब भेलै...

दादा जी : बताबै छियह.... त' सुन बौआ...

गीत : ई देखहक बंगाल अहि ठामक, कोने कोन हरियाला छै
एहि ठामक बच्चा-बच्चा, देशक खातिर, मरबा लेल तैयार छै
आब' बौआ तोरा देखाबू, झाँकी हिंदुस्तान के...
एहि माटि स' ठोप क'र' तों, ई धरती छै बलिदान के...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...

शिक्षक : सिट डाउन...

बच्चा : गुड मॉर्निंग सर...

शिक्षक : गुड मॉर्निंग

बच्चा : सर... सुनू न... अहां विभाजन के बारे मे किछु बता रहल छलहु... अहाँ कहने रही जे हम सब बहुत कुछ गँवा देलाहुँ... आब आगू बताबू न... विभाजन के बारे मे आर की भेलै...

शिक्षक : 20 फरवरी, 1947 क' ब्रिटिश प्रधान मंत्री क्लेमेंट एटली हाउस ऑफ कॉमंस मे घोषणा केने रहथि...

बच्चा : सर... एहि स' आगू हम कहै छी... हमरो बूझल अछि...

शिक्षक : हाँ... बताब'...

बच्चा 1 : हाँ... त' संगी लोकनि... सरकार 30 जून, 1948 स' पहिनहि...

शिक्षक : अरे पूनम... ओहि ठाम क' त'... एहि ठाम आबि क' बताब' ने सबके...

बच्चा 2 : जी सर... हँ ... त' सुन: संगी सब...
सरकार 30 जून, 1948 सँ पहिनहि सत्ताक हस्तांतरण क' भारत छोड़बाक फैसला केने छल।

बच्चा 3 : सर... आब हम कहब...

शिक्षक : हँ बताब'...

बच्चा 4 : हालाँकि ई पूरा प्रक्रिया के लॉर्ड माउंटबेटेन के वजह स' एक साल पहिने क'लेल गेल छल।

बच्चा 5 : हँ सर... लॉर्ड माउंटबेटेन 31 मई, 1947 क' लंदन स' सत्ता के हस्तांतरणक मंजूरी ल' क' नई दिल्ली लौटल छलाह।

बच्चा 6 : हं... हमरो मोन पडल... 02 जून, 1947 क' ऐतिहासिक बैठक मे विभाजनक योजना पर मोटा मोटी सहमति बनि गेल छल।

बच्चा 7 : हाँ सर... भारत के विभाजनक निर्णय एकटा पूर्व शर्त जेना छल। भारत एहन देशक विभाजन धार्मिक आधार पर हो एहि योजनाक व्यापक विरोध भेल।

बच्चा 1 : एहन कहल जाइत छै जे एहि विभाजन के लेल ओ नेता मानसिक रूप स' तैयार छलाह, जिनका एहि विभाजन मे अपन हित आ उज्ज्वल भविष्य देखा रहल छलनि।

शिक्षक : अरे वाह बच्चा सब... अहा के त' बहुत जानकारी अछि... आब आगूक क्लास हम शुरु कर' स' पहिने हम एकटा छोट सन ब्रेक लैत छी...

सभ बच्चा : ठीक छै सर...

गीत : वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम

सूत्रधार 1 : भाई, तोहर विभाजन के ल'क' की खयाल छ ?

सूत्रधार 2 : भाई, विभाजन के बढ़ावा देला स' समाज मे सुधार हेतैक। विभिन्न समुदाय के अपन-अपन अधिकार भेटतै ।

सूत्रधार 1 : नहि नहि, विभाजन स' एहन किछु ओ नहि होयत, हे एकता स' समाजक विकास भ' सकैत छै। हमरा सब के एक भ' क' समृद्धिक रस्ता पर आगू बढ़क चाही।

सूत्रधार 2 : तोहर गप्प त' नीक छौ, मुदा वास्तविकता ई छै जे विभाजन स' सब किछु संभव होइ छै।

सूत्रधार 1 : नहि – नहि... हमरा सब के मिल क' देश के प्रगति के पाथ पर ल' जाना चाही आ विभाजनक विभीषिका के मिटेबाके चाही।

सूत्रधार 2 : तोरा की लागे छौ... हम सब मिलक' ई संदेश अपना सकब ?

सूत्रधार 1 : किएक नहि अपना सकब... एकरा लेल हम सबके एकजूट भ' क' रह' पड़त आ ई एक जूटता हमर धरोहर अछि, इकरा संजोगि क' रख' पड़त।

सूत्रधार 2 : ठीक छै, मुदा हमरा अखंड भारतक विभाजन के समय आर की की भेल सेहो बताबू...

सूत्रधार 1 : एकरा बारे मे त' वैह लोक सब तोरा कहत' जे लोकनि एकरा भोगने अछि...

गीत : वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम
वंदे मातरम, वंदे मातरम

बच्चा : गुड आफ़्टर नून सर...

शिक्षक : गुड आफ़्टर नून... सिट डाउन... हाँ त' आगू चली... त' सुन: ... अखिल भारतीय मुस्लिम लीगक बैठक 9 जून, 1947 क' नई दिल्ली के इम्पीरियल होटल मे भेल छल।

बच्चा : भारतीय मुस्लिम लीग के संग संग ओहि समय कांग्रेस आ अनेक नेता सब के अक्षमता वा अनुचित महत्वाकांक्षा के कारण एहि कदम के पुरजोर विरोध नहि भ' सकल। कांग्रेस के नेता पं. जवाहर लाल नेहरू आ मुस्लिम लीग के जिन्ना के आपसी द्वन्द के कारण देश के विभाजन के रूप मे भोग' पड़लै।

बच्चा 1 : अच्छा... सर... सर... एहि के आगू के बात फेर स' हमरा बूझल अछि...

शिक्षक : हे गै पूनम... तोरा त' सब किछु मालूम छौ ... ओना ज्ञान बाँटने बढ़ते छै... बाँट अपन ज्ञान...

बच्चा 1 : हे संगी लोकनि... ओहि ठाम विभाजनक माँग वाला प्रस्ताव लगभग सर्वसम्मति स' पारित भेल।

बच्चा 2 : जकरा पक्ष मे 300 आ विरोध मे मात्र 10 मत पड़लैक।

बच्चा 3 : देखिते देखिते भारत आ पाकिस्तान दू भाग मे बँटि गेल।

बच्चा 5 : धर्म के आधार पर बंगालक पूर्वी हिस्सा सेहो विभाजित भ' क' पाकिस्तान मे शामिल भ' गेल।

दादा जी : भारत के विभिन्न हिस्सा मे 1946 आ 1947 मे भेल सांप्रदायिक हिंसाक व्यापकता आ क्रूरता पर कतको जगह विस्तार स' किताब मे लिखल गेल अछि। ओ 04 मार्च, 1947 के दिन छलैक। पुलिस हिंदू आ सिक्ख के एकटा जुलूस पर, गोली चला देलकै।

सूत्रधार – 2 : देखिते देखिते 06 मार्च के भोर तक अमृतसर, जालंधर, रावलपिंडी, मुल्तान आ सियालकोट समेत पंजाब के सभ शहर दंगा के लपेट मे आबि गेल छल।

सूत्रधार – 1 : पंजाब के तुलना मे बंगाल मे दशको तक जारी विस्थापन आ पुनर्वासक रूप बिलकुल अलग छल।

सूत्रधार – 2 : बंगाल के लोक बहुते अभागल छल...

सूत्रधार – 1 : से किएक...

सूत्रधार – 2 : किएक त’... बंगाल के लोक के दू – दू बेर विस्थापन झेल’ पड़लनि।

सूत्रधार – 1 : दू...दू... बेर...

सूत्रधार – 2 : हँ... हौ... दू... दू.. बेर... ??

सूत्रधार – 1 : एक बेर त’ हुनका सब के अपन घर बार छोड़ि क’ पूर्वी पाकिस्तान जाय पड़लनि. ..

सूत्रधार – 2 : फेर ओत’ स’ भागि क’ हुनका सब के पश्चिम बंगाल आब’ पड़लनि...

सूत्रधार – 2 : भाई... ओहि ठामक अधिकारी सब विभाजन स’ उत्पन्न संकटक भयावहता के कम क’क’ आँकि लेलक...।

सूत्रधार – 1 : हजारो हजार हिंदू परिवार ढाका आ ओकर आस पास स’ भागि क’ सियालदह पहुँच गेल...

सूत्रधार – 2 : एतबे नहि... ओ सब आसानी स’ नहि पहुँचलाह... रास्ता मे एक एक महिला स’ हुनक जेबर छीन लेल गेल... हुनका सब के तरह तरह स’ प्रतारित कयल गेल...

सूत्रधार – 1 : बुच्ची, महिला, बुजुर्ग के संग अमानवीय व्यवहार कयल गेल...

सूत्रधार – 2 : की महिला, की बच्चा, की बूढ़... सभ के संग दुर्व्यवहार भेल...

सूत्रधार – 1 : हँ... ई सच अछि... विभाजनक समय महिला के भारी नुकसान उठाब’ पड़लनि।

सूत्रधार – 2 : लाखो परिवार अपन परिजन स' बिछड़ि गेलाह।

सूत्रधार – 1 : एतबे नहि भेल छल... ट्रेन मे त' लोक जिंदा चढ़ल
मुदा, एहि ठाम ओ सब लाशक ढ़ेरी बनिक' पहुँचल...

बच्चा कान' लगैत अछि...

दादा जी : कानू नहि... चुप भ' जाउ...

बच्चा : दादा जी... ढ़ाका स' आयल लोक सबहक की भेलैक ? जिनकर सब किछु लुटि लेल गेल छलनि...

दादा जी : एकरो अजब कथा छै... कहल जाइत छै न... ने घर के रहल आ ने घाट के...

बच्चा : एना किएक... ?

दादा जी : ओ सब अपन घर द्वारि छोड़ि क' जखन दोबारा एहि देश मे अयलाह.... त' अपने देश मे सेहो रिफ़्यूजी बनि गेलाह...

गीत : आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।

पात्र 3 : पूर्वी पाकिस्तान स' एतेक लोक बंगाल आबि गेलाह जे ककरो घर मे एक इंच जगह नहि बचल छल... अपन संबंधित के रखबा लेल...

पात्र 4 : पश्चिम बंगाल सरकार त' चटगाँव, नारायण गंज, बारीसाल आ चांद्पुर स' शरणार्थी के कलकत्ता लौबाक लेल पंद्रहटा स्टीमरक व्यवस्था केलक।

पात्र 3 : पूर्वी पाकिस्तान स' लोक जलमार्ग स' पलायन केने छल.. कतेको नाह... पानि मे डूबि गेल छलैक... किछु दिन बाद पानिक सतह पर लाशे लाश छतायल छलैक...

पात्र 3 + 4 : एहन की खास छल, हमर हिस्सेक ज़मीन मे...
जकरा पौबाक लेल हमरे स' हमर सब किछु छीन लेल गेल...

पात्र 3 : बंगाल, पंजाब, गुजरात, सिंध चारू दिस विभाजनक आगि सुलगि रहल छल।

पात्र 4 सिंध के लोक त' विस्थापित भ' क' आबि गेल, मुदा... सिंध हमरा सब के नहि भेटल...

सूत्रधार - एक : सिंध स' मोन पड़ल– सबस' अधिक सिंधी परिवार राजस्थान मे अयलाह।

(सिंधी परिवार के रूप मे)

सिंधी पुरुष : विभाजन के बाद पाकिस्तान स' लाखो शरणार्थी भारत अयलाह आ राजस्थान ओहि राज्य मे शामिल छल जत' अत्यधिक संख्या मे शरणार्थी आयल।

सिंधी महिला : राजस्थानमे हमरा एहन शरणार्थी लेल राहत आ पुनर्वासक व्यवस्था करब एकटा पैघ चुनौती छल।

सिंधी पुरुष : हमरा सब के अयला स' राजस्थान के सांस्कृतिक स्थिति मे सेहो बदलाव आबि गेल। हम सब अलग अलग देखाय लगलहुँ। हमार सबहक संस्कृति, भाषा आ रीति-रिवाज सभ बदलि गेल।

सिंधी महिला : सिंघ मे त' हम पैघ विजनेस मैन रही। एहि ठाम अपन बच्चा के दू जूनक रोटियो नहि द' पबैत छी।

सिंधी पुरुष : ओहि ठाम हमर सबटा दोकान आ घर – बार लूटि लेल गेल।

सिंधी महिला : ओहि राति हम कोना मोन पारू बाबू... जखन अपन बच्चा के कोरा मे ल' क' भागल रही।

सिंधी पुरुष : दौड़ैत - दौड़ैत, बचैत बचाबैत अपन एकटा दूरक संबंधी के घर कोहुना राजस्थान के बिकानेर मे पहुँचलहुँ।

सिंधी महिला : हमर कतेको संबंधी सब रास्ते मे छुटैत चलि गेलाह, जिनका स' आइ तक फेर भेंट नहि भ' सकल। किछु लोक झुंझुनु मे रुकि गेलाह।

सिंधी महिला : संबंधी लोकनि बेचारे कतेक दिन अपना घर मे राखि सकतथि ? अंत मे हारि थाकि क' रिफ्यूजी कैंम्प मे आब' पड़ल। हँसैत खेलैत परिवार, गाँम, शहर कोना बर्बाद होइ छै, से कियो हमरा स' पूछय...

बच्चा 4 : पाकिस्तान स लोक जम्मू काश्मिर दिस भागल, पंजाब दिस भागल, गुजरात, बंगाल, राजस्थान दिस लाखो संख्या मे आयल...

(दुनू बच्चा चित्कार मारि क' कान' लगैत अछि)

गाना : आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
आँखि स' बहैत, ई दर्दक टघाड़
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।
छूटल जिनगी, हेरा गेल भजाड़।

बच्चा : दादा जी... आब हमरा किछुओ नहि सुनबाक अछि...

दादा जी : हँ... बौआ... अपना देशक इतिहास मे ई कारी अध्याय छैक, एकरा कियो सुनियो नहि पबैत अछि... हृदयविदारक घटना छै... एकरा सुनि क' त' पत्थरो हृदय बला मनुख पिघलि जाइत छै... तों त' बौआ छ:.. आब हम तोरा ओ बात कहैत छियह जे आब अपना सबके करक चाही...

सूत्रधार 1 + 2 : एहि ठाम जीवनक प्रथम भोर मुस्कान स' पुलकित भ' उठैत छैक...
एहि ठामक मंज़र देख क' नोर सेहो खून बनि जाइत छै...

पात्र 3 + 4 : नहि छौ बेसी दर्दक भार तोहर कांह पर...
जखन तौलता छी, ओहि दहशत के, जंग आ क्रुरता स'...

पात्र 1 : विभाजनक विभीषिका मे अपन प्राण गँवाबै वाला आ विस्थापनक दर्द झेलै वाला लाखो भारतवासी केँ शत शत नमन...

पात्र 2 भारतक एकता आ अखंडता के सुरक्षित रखबाक लेल हमरा सभ के मिलि क' प्रयास कर' पड़त।

पात्र 3 : विभाजन के लेल सियासी खेल मे, एकटा भाई के खिलाफ दोसर भाई के

दिमाग मे जहर भरल गेल छल।

पात्र 4 : एहि जहर स' त' इंसान अपने इंसान के कटलक, इंसान अपनहि इंसान के बँटलक, इंसान अपनहि इंसान के हेरलक। आ हमर अखण्ड भारत खंडित भेल।

दादा जी : आब जे भेल से भेल... सुन: अपन यशस्वी प्रधानमंत्री जी की कहलनि अछि :

प्रधानमंत्री जी की आवाज़ : देशक बंटवाराक दर्द के कहियो बिसरल नहि जा सकैत अछि। नफरत आ हिंसा के कारण हमर लाखो बहीन आ भाइ कैं विस्थापित होम' पड़लनि आ अपन जान तक देब' पड़लनि। हुनका सबक संघर्ष आ बिलदान के याद मे 14 अगस्त क' 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप मे मनेबाक निर्णय हम लेलहुँ अछि।

पात्र 1 : अपना सभहक बीच जँ कियो छल धर्म आ जाति को लेकर छल करत, या कोनो प्रपंच करत.. हम सब ककरो बहकावा मे नहि आयब...

सभ : हम सब ककरो बहकावा मे नहि आयब...

पात्र 1 : भारत देश के अखण्ड रखबाक छै।

सभ : भारत देश के अखण्ड रखबाक छै।

पात्र 4 : आब हम सब कोनो सियासी झाँसा मे नहि आयब।

सभ : आब हम सब कोनो सियासी झाँसा मे नहि आयब।

पात्र 4 : अखण्डता, एकाग्रता आ सुख शांतिक संग अपन भारत माता के विकसित बनायब।

सभी : अपन भारत माता के विकसित बनायब।

दादा जी : हँ... आबू... हम सब प्रण करी...

सभ : भारत माताक जय... भारत माताक जय...

गीत : वंदे मातरम... वंदे मातरम...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...
वंदे मातरम... वंदे मातरम...

•